सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: **तीन घंटे**
Time Allowed: ***Three Hours***

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: ***250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 62+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 62+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 45958636

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : TESHUKANT

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English
Hindi

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)

तारीख
Date
25/08/24

केंद्र
Centre
Mukherjee Nagar

Afehp Dutt
निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use

परीक्षक के हस्ताक्षर
Signature of Examiner(s)

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			**6 (a)**		
1(b)			**6 (b)**		
2(a)			**7**		
2(b)			**8**		
3(a)			**9**		
3(b)			**10**		
3(c)			**11**		
4(a)			**12**		
4(b)					
5(a)					
5(b)					
उप-योग (A) Subtotal (A)			**उप-योग (B) Subtotal (B)**		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISION IAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: **तीन** घंटे Time Allowed: **Three** Hours	अधिकतम अंक: **250** Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बारह** प्रश्न हैं जो दो **खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।*

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

*There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH.***

***All** questions are compulsory.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

1. (a) साध्य साधनों को उचित नहीं ठहरा सकता है, इसका सरल और स्पष्ट कारण यह है कि प्रयुक्त साधन ही प्राप्त होने वाले साध्यों की प्रकृति निर्धारित करते हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The end cannot justify the means, for the simple and obvious reason that the means employed determine the nature of the ends produced. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

*उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

मैकियावेली जैसे मध्यकालीन दार्शनिक साधन की अपेक्षा साध्य को अधिक महत्व देते है।

"साध्य निर्धारित करता है कि साधन कितना पवित्र था" — मैकियावेली

वहीं भारत में चार्वाक दर्शन इसकी प्रतिनिधि करता है " ऋणम कृत्वा, घृतम् पिबेत "
(ऋण लेकर घी पियो)

जबकि गांधीवादी सिद्धांतों में साधन साध्य की पवित्रता

साधन-साध्य की पवित्रता का महत्व

1. साधन के उपयुक्त होने से परिणामों के

प्रति चिंता की कमी

2. अहिंसा साधन से स्वतंत्रता संग्राम, जिससे भारत लोकतंत्र संधारणीय,

जबकि पाकिस्तान की स्वतंत्रता हिंसक साधनों (लड़कर लेंगे पाकिस्तान) से अतः लोकतंत्र भंगुर।

3. अनैतिक साधनों के प्रयोग

1. साइबर ज्ञान का प्रयोग वित्तीय धोखाधड़ी में

2. हिंसक साधनों से सत्ता परिवर्तन से अशांति — [eg] जामताड़ा; [eg] म्यांमार, बांग्लादेश

3. AI जैसे आधुनिक ज्ञान का प्रयोग विपरीत हानिकर उद्देश्यों में [eg] Deepfake
   ↳ मानव की गरिमा प्रभावित (अनु० 21)

4. संगठन के नैतिकता का पालन नहीं — [eg] चंदा कोचर मामला (ICICI)

5. पर्यावरण के अनैतिक दोहन से संधारणीयता प्रभावित — [eg] 1.1°C तापमान वृद्धि (IPCC)

इस प्रकार गांधीवादी दृष्टिकोण सफल भविष्य व उचित परिणाम का मार्गदर्शन करती है।

www.visionias.in

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

1. (b) चर्चा कीजिए कि कानून एवं नैतिकता के बीच का संबंध किस प्रकार गतिशील होता है और सामाजिक परिवर्तनों द्वारा निरंतर आकार ग्रहण करता है। इस गतिशील संबंध को स्पष्ट करने के लिए उदाहरण प्रस्तुत कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how the relationship between law and ethics is dynamic and continuously shaped by societal changes. Provide examples to illustrate this dynamic relationship. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सामाजिक व वैयक्तिक आचरण के नियमन के दो महत्वपूर्ण कारक कानून व सामाजिक नैतिकता होती है, इनमें संबंध है –

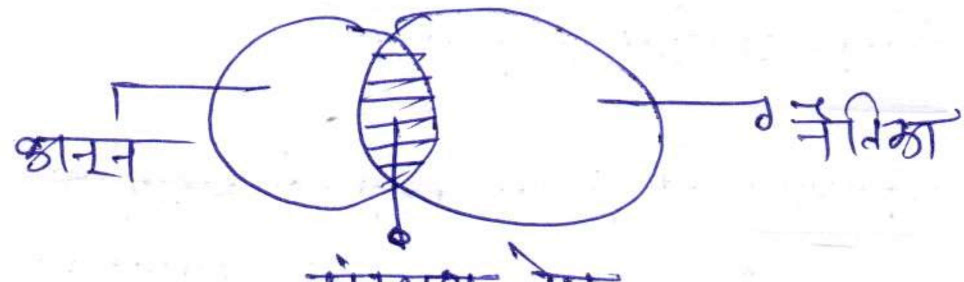

दोनों के संबंध में गतिशीलता

1. वैध किंतु अनैतिक

A. वैवाहिक बलात्कार का मामला

B. कर अपवंचन – loophole का प्रयोग

C. सामाजिक दायित्वों (trusteeship) का अनुपालन नहीं

2. अवैध किंतु नैतिक

A. सड़क दुर्घटना के समय ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करना

B. रॉबिनहुड की संकल्पना

3. गतिशीलता

A. न्यायिक निर्णयों के माध्यम से

▷ विशाखा दिशानिर्देश → कार्यस्थल पर सुरक्षा

▷ शायरा बानो वाद
↳ तीन तलाक पर निर्णय

▷ आरक्षण के प्रति 4c-5 में वर्गीकरण की नीति

↳ इनसे समाज की नैतिकता निर्धारित होती है

B. वैधानिक प्रयासों से गतिशीलता

▷ निर्भया मामला → निर्भया फंड की स्थापना

▷ बच्चों को यौन शोषण से सुरक्षा → POSCO अधिनियम

इस प्रकार समाज से प्रेरित विधान व कानूनों से प्रेरित नैतिकता का निर्माण होता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. (a) उपयुक्त उदाहरणों के साथ शुचिता (प्रोबिटी) और सत्यनिष्ठा के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। ये मूल्य सिविल सेवाओं में नैतिक अभिशासन और निर्णय-निर्माण में किस प्रकार योगदान देते हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Differentiate between probity and integrity with suitable examples. How do these values contribute to ethical governance and decision-making in the civil services? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

शुचिता से आशय, स्वयं के प्रति आंतरिक रूप से सत्यनिष्ठ होने से है, अपने गतिविधियों का निरंतर निरीक्षण तथा सोच व विचार के स्तर पर शुद्धता के पालन से है। Eg गांधीजी – विचारों के प्रति

वहीं सत्यनिष्ठा से आशय, ~~अपने व्यापित~~ विचारों व मूल्यों से अभिन्न रहने की भावना से है तथा मूल्यों को आचरण में प्रकट करना।
Eg भगतसिंह – बलिदान

दोनों में संबंध

शुचिता	सत्यनिष्ठा
Due process of law के समान	Procedure established by law की तरह

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सिविल सेवा के निर्णय निर्माण में योगदान

1. संवैधानिक उद्देश्यों व मूल्यों के प्रति समर्पण [eg] धर्मनिरपेक्षता - हिंसा के दौरान
2. वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन [eg] महिला सुरक्षा कार्यस्थल में
3. संसाधनों का उचित प्रयोग तथा व्यक्तिगत हित में प्रयोग नहीं
[-ve eg] ex. IAS अभिषेक सिंह → पद का प्रयोग सिनेमा में
4. जरूरतमंदों की पहचान करने में [eg] सफाई कर्मचारी समेकित योजना
5. भ्रष्टाचार से व कदाचार से स्वयं की रक्षा [eg] अशोक खेमका
6. समाज के प्रति दायित्वों की पूर्णता [eg] राजाराम मोहन राय
7. विचलन की स्थिति नहीं होने से राजनीतिक दबाव नहीं → Quid pro quo नहीं

इस प्रकार नैतिक शासन की स्थापना में सत्यनिष्ठ नौकरशाही की अनिवार्यता होती है।

2. (b) लोक प्रशासन में सूचना को गुप्त बनाए रखने के नैतिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। पारदर्शिता किस प्रकार सरकारी संस्थाओं में जवाबदेही को बढ़ा सकती है और भ्रष्टाचार को कम कर सकती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss the ethical implications of withholding information in public administration. How can transparency enhance accountability and reduce corruption in government institutions? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

आधिकारिक गोपनीयता अधि. 1927 व सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005, दोनो प्रशासनिक मूल्यों के संतुलन व टकराव पर आधारित है।

सूचना को गुप्त बनाए रखने के नैतिक निहितार्थ

1. सामरिक सूचना की संवेदनशीलता
   → Honeytrap के शिकार से इसके शत्रु देश को जानने का खतरा

2. न्यायिक विश्वसनीयता → न्यायपालिका में गोपनीय कॉलेजियम

3. नवाचार की सूचना की गोपनीयता
   → आपसी प्रतिस्पर्धा प्रभावित
   Eg IndiaStack अग्रणी पहल

4. भारत-पाक युद्ध प्रतिबंध

गोपनीयता के नकारात्मक पक्ष

A. व्यक्ति / नागरिक के सूचना व प्रशासनिक जानकारी का अधिकार सीमित होता है। [Eg] अंजना कुमारी बाद (A19(1)(a))

B. पारदर्शिता प्रभावित होता है जिससे प्रशासन की विश्वसनीयता प्रभावित

पारदर्शिता से जवाबदेहिता में वृद्धि

1. RTI अधिकारों के अनुरूप जानकारी
2. अनुचित जानकारी के विरुद्ध अपीलीय अधिकार
3. संसाधनों के उचित अन्वेषण परीक्षण करता है। [Eg] रेलवे स्टेशन पर RTI से जानकारी पाई
4. प्रशासन के प्रति विश्वास वृद्धि से जनभागीदारी में वृद्धि [Eg] सामुदायिक पुलिसिंग
5. लोकतांत्रिक प्रणाली में जवाबदेही के संतुलन का सिद्धांत स्थापित।

इस प्रकार सूचना के अधिकार से जवाबदेही शासन की स्थापना होती है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a) "एक सभ्य घर के बराबर कोई स्कूल नहीं है और सद्गुणी माता-पिता के बराबर कोई शिक्षक नहीं है।"- महात्मा गांधी (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"There is no school equal to a decent home and no teacher equal to a virtuous parent."- Mahatma Gandhi (Answer in 150 words) 10

उपरोक्त उद्धरण में महात्मा गांधी द्वारा बच्चों के विकास व अंतरात्मा के विकास में परिवार की भूमिका इंगित किया गया है।

सभ्य घर का प्रभाव

1. अंतरात्मा के विकास में सहयोगी।

A. 0-6 वर्ष की आयु } 1. अवचेतन मन का विकास

B. अवधारणा में स्लोन के अनुसार इसी आयुवर्ग में super Ego का विकास होता है।

C. यह super Ego, Id से रक्षा कर संतुलन की राह का निर्माण करता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. मूल्यों के विकास में भूमिका

A. कहानियों के माध्यम से

मित्रता का मूल्य
[eg] कर्ण की कहानी

त्याग व समर्पण का मूल्य
[eg] एकलव्य

B. नैतिक मानकों की जानकारी

[eg] गीता भागवत
"मेरी दो माताएँ हैं, मेरी जैविक माँ, दूसरी माँ गीता" – गांधी जी

3. पालकों के आचरण का अनुनयन

[eg] मोतिलाल नेहरू → जवाहरलाल नेहरू

4. समानुभूति का मूल्य → माता की भीति से महिलाओं के प्रति आदर व करुणा।

इसी संदर्भ में अब्दुल कलाम आजाद ने कहा है "यदि देश को भ्रष्टाचार मुक्त व सुंदर मन से युक्त बनाना है तो ऐसा तीन लोग कर सकते हैं माता पिता, शिक्षक"

3. (b) "हर कोई दुनिया को बदलने के बारे में सोचता है, लेकिन कोई भी खुद को बदलने के बारे में नहीं सोचता।" - लियो टॉल्स्टॉय (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"Everyone thinks of changing the world, but no one thinks of changing himself." - Leo Tolstoy (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

लियो टॉलस्टॉय द्वारा अपने उपरोक्त उद्धरण के माध्यम से "Be the change" की परिकल्पना को प्रकट किया गया है।

दुनिया को बदलने की प्रेरणा

बाह्य प्रेरणा

विद्यमान चुनौतियाँ

- महिला असुरक्षा [eg] RG कर बलात्कार मामला
- भ्रष्टाचार की व्याप्ति [eg] 93rd Rank (2023)
- सामाजिक उपहास व बहिष्कार
  - खाप पंचायतों की मदद से
- देशों के मध्य आपसी संघर्ष
  - रूस-यूक्रेन
  - इजराइल-फिलिस्तीन

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

▷ कार्बन उत्सर्जन व जलवायु परिवर्तन (ARGIPCC)

खुद को बदलना – Be the change
↓ आंतरिक प्रेरणा

▷ महिलाओं का सम्मान करना, सोशल मीडिया मे महिला विरोधी स्लैंग (women) का प्रयोग नहीं करना

▷ भ्रष्टाचार से बचना, सरकारी नौकर, केवल "सरकारी दामाद" बनने या देश के लिए नहीं

▷ सामाजिक अप्रगतिशील नियमों का बहिष्कार करना

▷ आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करना सांप्रदायिक हिंसा (नृहहिंसा), Fake New, Deepfake, जैसे असामाजिक गतिविधियों मे न होना।

▷ पर्यावरण अनुरूप जीवनशैली LiFE

इस प्रकार जो परिवर्तन आप देखना चाहते हैं वह परिवर्तन आपसे प्रारंभ होना चाहिए

3. (c) "जो सही है उसे देखकर भी उसे न करना कायरता है।" - कन्फ्यूशियस (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"To see what is right and not do it is a lack of courage." – Confucius (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपरोक्त उद्धरण में कन्फ्यूशियस द्वारा साहस धारण करने की प्रेरणा दी गयी है।

ऐसा ही उद्धरण हिंदी साहित्य में मिलता है—

"समरशेष है,
नहीं पाप का भागी केवल व्याध,
जो तटस्थ है
समय लिखेगा उसके भी अपराध।"

यह कथन तटस्थता व कायरता को ~~साथ~~ स्पष्ट करता है।

1. सही का साथ न देना अन्याय का साथ देना है।

2. इससे कमजोर का शोषण जारी रहता है व शक्तिशाली का मनोबल बढ़ते जाता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

[Eg] भारतीय इतिहास में जातिगत शोषण

3. सामाजिक असमानता का उदय होता है।
[Eg] दास प्रथा से अमेरिका में white-Black असमानता

4. पूंजी का संकेद्रण होता है [Eg] Oxfam 1% के पास 39% संपत्ति

साहस की अपेक्षा किससे की जानी चाहिए

1. वे जो सक्षम हो [Eg] श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को साहस का पाठ पढ़ाना → गीता

2. जो विकास के दौड़ में आगे हैं उनसे अधिक अपेक्षा

- गरीबों के प्रति दायित्व (विवेकानंद ने इसके पालन न करने वालों को राजद्रोही बताया)
- विकसित राष्ट्र द्वारा जलवायु कार्य वाही → CBDR का सिद्धांत

इस प्रकार साहस की अपेक्षा शक्तिशाली से व न्याय का साथ कमज़ोरों के लिए होना चाहिए

4. (a) किसी व्यक्ति में सकारात्मक अभिवृत्ति उत्पन्न करने वाले कारक कौन-से हैं? सकारात्मक अभिवृत्ति सिविल सेवकों को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी कार्यक्षमता को कैसे बढ़ाती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What factors lead to a positive attitude in a person? How does positive attitude enhance the effectiveness of civil servants in performing their duties? (Answer in 150 words) 10

उंम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

आमु०

अभिवृत्ति से आशय किसी विषय के प्रति स्थायी विचार, व देखने के नजरिये से है।

यह विषय के प्रति निर्णय को निर्देशित करता है।

उदाहरण

- चीन के प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति
- जापान के प्रति सकारात्मक

सकारात्मक अभिवृत्ति उत्पन्न होने का कारण

1. पारिवारिक दृष्टिकोण का प्रभाव
 [उदा] राजनेताओं के परिवार में राजनेता
2. लागत - लाभ सिद्धांतो के अनुरूप

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

[eg] युवा क्रिकेटर का IPL के प्रति

3c Positive Reinforcement के माध्यम से

- अच्छे कार्यों को प्रोत्साहन - इनाम व पदोन्नति

4c

सिविल सेवा में सकारात्मक अभिवृत्ति

- समर्पण की भावना को जागृत करता
- समाधान आधारित दृष्टिकोण को प्रोत्साहन
  - [eg] ईश्वरन - कोकण रेलव
- अपनी असफलता से सीखना [eg] चंद्रयान II के बाद चंद्रयान III
- सीमित संसाधनों में भी सेवा [eg] आर्मस्ट्रांग पामे
- जरूरतमंदों की सेवा को बढ़ावा [eg] सोनू सूद फाउंडेशन - महामारी के दौरान

इस प्रकार सकारात्मक दृष्टिकोण से शासन की उत्पादकता व प्रभावशीलता में वृद्धि होती है

4. (b) चर्चा कीजिए कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता सीमित सार्वजनिक संसाधनों के आवंटन से संबंधित नैतिक निर्णयन को किस प्रकार प्रभावित कर सकती है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how emotional intelligence can influence ethical decision-making in the allocation of scarce public resources. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से आशय अपने मनोदशा की समझ व नियंत्रण करने की क्षमता के साथ ही दूसरों की मनःस्थिति को नियमित व निर्देशित करने की क्षमता है।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता के घटक

- आत्मज्ञान
- आत्मप्रेरण
- समानुभूति
- अनुनयन की क्षमता

सीमित सार्वजनिक संसाधन में EI का प्रयोग

1. संसाधनों के लिए वैकल्पिक मार्ग की

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

1. तलाश करना
   [eg] आर्मस्ट्रांग पांडे द्वारा Crowdfunding

2. अपने वरिष्ठों से सहयोग के लिए मनाना
   [eg] धर्मीज मामा द्वारा नेहरू का अनुमोदन
   (a) नागरीकीय ऊर्जा

3. समाधान आधारित दृष्टिकोण को प्रोत्साहन
   [eg] ह्वीलप्राइड खाद्य संकट से उत्कृष्ट PDS

4. संसाधनों का अनुकूल प्रयोग
   → Cost Duplication
   → Effort Duplication
   कम करना

5. सामुदायिक उपागम का प्रयोग
   [eg] IAS संजीव सिंह द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग में

इस प्रकार Ethical gov की स्थापना होती है

5. (a) विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी संगठन विश्व भर के संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में आपातकालीन सहायता प्रदान करते हैं। ऐसे संगठनों द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक चुनौतियों पर प्रकाश डालिए। अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी कार्यों के मार्गदर्शक सिद्धांत कौन-से हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Various international humanitarian organizations provide emergency aid in conflict zones around the world. Highlight the ethical challenges faced by such organizations. What are the principles that guide international humanitarian work? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत UN Peacekeeping Force को सबसे बड़े सहयोगी में से एक है, जो संकटग्रस्त क्षेत्र में आपातकालीन सेवा प्रदान करने का कार्य करता है।

मानवतावादी संगठन द्वारा – नैतिक चुनौतियाँ

1. स्थानीय विरोध व नकारात्मक दृष्टिकोण की संभावना होती है।

2. दोहरा विरोध झेलना पड़ता है

- विद्रोही गुट द्वारा
- राज्य द्वारा
  - आंतरिक हस्तक्षेप के मसले पर

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. संप्रभुता संबंधी नैतिक मुद्दा

→ आंतरिक सुरक्षा राज्य का दायित्व अत: इसे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के रूप में देखा जाता है।

4. वित्त व संसाधनों का संकट
- ↓ वित्तीय संस्था की कमजोरी।
- → स्थानीय सहयोग नहीं

मार्गदर्शक सिद्धांत
- अंतर्राष्ट्रीय शांति — UN peace keeping
- मानवाधिकारों की रक्षा — ICJ
- चिकित्सीय सहायता — Red cross
- विरासत की रक्षा — UNESCO
- क्षेत्रीय असमानता दूर करना

इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष में मानवाधिकारों का संकट सामने है।

5. (b) अनुनय को सिविल सेवकों के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल क्यों माना जाता है? गवर्नेंस में अनुनय को मार्गदर्शित करने वाले मुख्य विचार क्या हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Why is persuasion regarded as an important skill for civil servants? What are the key considerations that should guide persuasion in governance? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अनुनयन से आशय किसी व्यक्ति के स्थापित विचार, मूल्य, दृष्टिकोण को इस प्रकार प्रभावित करना की आप अपने उद्देश्यों के अनुरूप दृष्टिकोण का विकास कर सके।

[eg] बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

सिविल सेवा का महत्वपूर्ण कौशल

1. संपर्क अंतराल में कमी करना
[eg] बोडो एकॉर्ड, असम एकॉर्ड

2. क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए अनुनयन

[ex] दिल्ली सांप्रदायिक हिंसा 2020 के पश्चात

3. नीतियों का सही तरीके से क्रियान्वयन
[ex] नोटबंदी के दौरान

4. विकास में सहयोग → नागरिक समाज का
[ex] धन जारी करने में IFFCO

5. विरोध को शांत करने में

6. मूकता को तोड़ने में [ex] घरेलू हिंसा के प्रति

7. जनभागीदारी बढ़ाने में [ex] साम्प्रदायिक पूर्वाग्रह

अनुनयन के मार्गदर्शित कारक

- भावनात्मक बुद्धिमत्ता
- समानुभूति
- कल्याण की भावना से
- उपयोगितावाद (Greatest good) के लिए
- विकास को प्रोत्साहन
- राज्य की विश्वसनीयता
- उचित वातावरण का निर्माण

इस मार्ग पर चलते हुए सेवक जनसंदेह की पहचान कर नवाचारी उपाय निकाल सकता है

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6. (a) विशेष रूप से लोक सेवा में, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में नैतिक नेतृत्व क्या भूमिका निभा सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What role can ethical leadership play in curbing corruption, especially in public service? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

वर्तमान दशा में भारत में भ्रष्टाचार सूचकांक की स्थिति में गिरावट आयी है। 2022 की स्थिति में 85th Rank से भारत 2023 में 93rd Rank पर है।

भ्रष्टाचार के अंकुश में नैतिक नेतृत्व

1. ऊपरी दबाव की कमी
   - राजनीतिक दबाव से भ्रष्टाचार
2. नेतृत्व स्तर पर साम्रग्राह्यता नहीं
   - क्रोनी कैपिटलिज्म की अनुपालना
   - eg जोशी ऑलिवरावर
3. नेतृत्व द्वारा स्थिर निरीक्षण के दृष्टिकोण से

विभागों को भ्रष्टाचार से रखा।

4. सहकर्मियों में आपसी विश्वास में वृद्धि व अपेक्षित कार्यवाही

ख) T.N. शेषन के कार्यकाल में EC

5. राजनीतिक दलों व आयोग के बीच Quid pro quo में बाधा

6. नेतृत्व का जनता के प्रति समर्पण

7. सामूहिक विकास की अवधारणा से संचालित → सहकर्मी को दबाव से बचाना

अतः भ्रष्टाचार युक्त कार्य दशा के उत्पादन से शासन की विश्वसनीयता में वृद्धि के साथ संसाधन के दुरुपयोग को रोका जा सकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6. (b) स्वामी दयानंद सरस्वती की प्रमुख शिक्षाएं क्या थीं? वर्तमान समय में, भारत में विद्यमान नैतिक एवं सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए उनकी प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What were the major teachings of Swami Dayanand Saraswati? Explain their relevance in addressing the current ethical and social challenges in India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

स्वामी दयानंद सरस्वती आधुनिक भारत के पुनर्जागरण के प्रणेता थे। इन्होंने सामाजिक सुधार के माध्यम से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की नींव रखी।

स्वामी दयानंद सरस्वती - आर्य समाज की सीख

1. सामाजिक रूढ़िवाद का विरोध किया
2. जन्मआधारित कर्म व्यवस्था या वर्ण व्यवस्था की आलोचना की और
"वेदो की ओर लौट चलो का" नारा दिया
सरल व समानता आधारित जीवन

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

3. भाषा का सरलीकरण किया
↳ मंदिर में स्त्री का प्रवेश

5. अंतर जातीय विवाह को प्रोत्साहित किया।

6. राष्ट्रवाद की नींव रखी 'स्वराज' का नारा दिया।

प्रासंगिकता

1. सामाजिक दायित्वों को समझने में
↳ समाज के प्रति समर्पण ही राष्ट्रवाद

2. आत्मनियमन में → स्वराज का सिद्धांत
↳ मानसिक स्वास्थ्य की कमजोर स्थिति

3. भारत के कर्मकांडी व अंधविश्वासी स्वरूप के विरुद्ध ↳ प्रगतिशील विचारों को प्रेरणा

इस तरह दयानंद सरस्वती के विचार आज के आधुनिक समाज में भी प्रासंगिक है।

www.visionias.in

7. मरियम एक प्रतिभाशाली और दृढ़ निश्चयी इंजीनियर है। हाल ही में, उसे XYZ Corp में काम पर रखा गया था, जो कि मुख्य रूप से पुरुष कर्मचारियों वाली एक प्रसिद्ध विनिर्माण कंपनी है। यह नौकरी मरियम के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि इसमें उसे अच्छा वेतन प्राप्त होता है जिससे उसे और उसके परिवार को आर्थिक रूप से सहायता मिलती है।

प्रारंभ में मरियम अपनी नई भूमिका को लेकर उत्साहित थी, लेकिन उसका उत्साह जल्द ही समाप्त हो गया, जब उसे कई सहकर्मियों द्वारा किए जाने वाले यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। उत्पीड़न में उसके रूप-रंग के बारे में अनुचित टिप्पणियों से लेकर अवांछित प्रस्ताव और अश्लील संदेश शामिल थे। मरियम ने कई बार इन घटनाओं के बारे में अपने प्रत्यक्ष पर्यवेक्षक को भी सूचित किया, लेकिन पर्यवेक्षक ने उसकी चिंताओं को यह सुझाव देते हुए खारिज कर दिया, कि वह इन टिप्पणियों को हानिरहित मजाक और कार्यस्थल संस्कृति का हिस्सा समझे।

जैसे-जैसे उत्पीड़न निरंतर तीव्र हुआ, मरियम का कार्य-निष्पादन प्रभावित होने लगा। साथ ही, इससे उसके तनाव में भी निरंतर वृद्धि होती गई, वह लगातार तनाव में रहने लगी वह अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ हो गई तथा टीम मीटिंग और सहयोगियों वाले प्रोजेक्ट्स में असहज महसूस करने लगी। असुरक्षित कार्य परिवेश उसके मानसिक स्वास्थ्य और करियर की संभावनाओं पर भारी पड़ता जा रहा था।

करण उसका एक सहकर्मी है, जिसने मरियम के साथ ही XYZ Corp में जॉइन किया था। उसने मरियम के व्यवहार में परिवर्तन और अपने सहकर्मियों के अनुचित व्यवहार को नोटिस किया। वह और मरियम मित्र बन गए थे, वे अक्सर कार्य से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करते थे और अपने प्रोजेक्ट में एक-दूसरे की सहायता करते थे। करण इस स्थिति के बारे में अत्यधिक चिंतित था लेकिन उसे समझ नहीं आ रहा था कि मरियम के लिए स्थिति को बदतर किए बिना कैसे हस्तक्षेप किया जाए।

एक दिन, मरियम को टीम के एक वरिष्ठ सदस्य से एक बेहद अपमानजनक संदेश प्राप्त हुआ, जिससे वह कई घंटों तक रोती रही। मरियम अत्यधिक व्याकुल अवस्था में ब्रेक रूम में बैठी थी, करण ने वहां जाकर उसे सांत्वना दी। उसके साथ हुए उत्पीड़न की पूरी कहानी सुनने के बाद, करण ने उसे POSH (यौन उत्पीड़न की रोकथाम) अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज करने का सुझाव दिया। उसने बताया कि यह अधिनियम उसके जैसे कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है और कंपनी कानूनी रूप से ऐसी शिकायतों से निपटने के लिए बाध्य है।

हालांकि, प्रतिशोध और अपनी नौकरी जाने के भय से मरियम ने शिकायत दर्ज कराने से इनकार कर दिया। उसने चिंता व्यक्त की कि उसे एक अशांति उत्पन्न करने वाले (Troublemaker) कर्मचारी के रूप में लेबल किया जा सकता है और इससे इंडस्ट्री में उसके भावी करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। मरियम ने यह भी उल्लेख किया कि उसका परिवार उसकी आय पर निर्भर है और वह अपनी नौकरी खोने का जोखिम नहीं उठा सकती।

करण को ज्ञात है कि POSH अधिनियम पीड़ित महिला की ओर से किसी अन्य व्यक्ति को भी शिकायत दर्ज करने की अनुमति देता है। वह स्वयं इस घटना की रिपोर्ट करने पर विचार कर रहा है। उसका मानना है कि मरियम और अन्य महिला कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए असुरक्षित कार्य परिवेश को सही करने की आवश्यकता है। हालांकि, वह मरियम पर इसके पड़ने वाले प्रभाव के बारे में चिंतित है, खासकर उसके आगे आने की अनिच्छा को देखते हुए।

यह स्थिति तब और जटिल हो गई, जब करण ने हाल ही में एक बातचीत सुनी जिसमें सुझाव दिया गया था कि XYZ Corp एक बड़े विस्तार की योजना बना रहा है, जिससे कर्मचारियों को पदोन्नति और नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। उसे चिंता है कि शिकायत दर्ज करने से न केवल मरियम की वर्तमान स्थिति बल्कि कंपनी के भीतर उसकी भविष्य की संभावनाएं भी खतरे में पड़ सकती हैं।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(a) मरियम की इच्छा के विरुद्ध घटना की रिपोर्ट करने का निर्णय लेने में करण द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधा पर चर्चा कीजिए।

(b) करण के समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। इनमें से उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों?

(c) यौन उत्पीड़न को रोकने और उसका समाधान करने तथा समावेशी कार्यस्थल परिवेश का निर्माण करने में XYZ Corp जैसे संगठनों की क्या ज़िम्मेदारियां हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Mariyam, a talented and driven engineer, was recently hired at XYZ Corp, a well-known manufacturing company with a predominantly male workforce. This job was a significant achievement for Mariyam, as it offered a good salary that supports her and her family financially.

Initially excited about her new role, Mariyam's enthusiasm quickly faded as she began experiencing sexual harassment from several colleagues. The harassment ranged from inappropriate comments about her appearance to unwanted advances and suggestive messages. Mariyam occasionally confided to her direct supervisor about these incidents, but he dismissed her concerns, suggesting she view these comments as harmless jokes and part of the workplace culture.

As the harassment continued and intensified, Mariyam's job performance began to suffer. She found herself constantly stressed, unable to concentrate on her work, and increasingly uncomfortable in team meetings and collaborative projects. The toxic work environment was taking a toll on her mental health and career prospects.

Karan, a colleague who joined XYZ Corp around the same time as Mariyam, noticed the change in her demeanor and the inappropriate behavior of their coworkers. He and Mariyam had become friends, often discussing work-related matters and supporting each other in their projects. Karan was deeply concerned about the situation but felt unsure about how to intervene without making things worse for Mariyam.

One day, Mariyam received an exceptionally offensive message from a senior team member, leaving her in tears for several hours. Karan found her in the break room, visibly distraught, and spent time consoling her. After hearing the full extent of the harassment she had been enduring, Karan suggested she file a complaint under the POSH (Prevention of Sexual Harassment) Act. He explained that the Act was designed to protect employees like her and that the company was legally obligated to address such complaints.

However, Mariyam, fearing retaliation and the potential loss of her job, refused to lodge the complaint. She expressed concerns about being labeled a troublemaker and worried that it might affect her future career prospects in the industry. Mariyam also mentioned that her family was dependent on her income, and she could not risk losing her job.

Karan is aware that the POSH Act permits lodging a complaint on behalf of the aggrieved woman. He is considering reporting the incident himself, believing that the toxic work environment needs to be addressed for the sake of Mariyam and other female employees. However, he is wary about the impact this may have on Mariyam, especially given her reluctance to come forward.

Adding to the complexity of the situation, Karan recently overheard a conversation suggesting that XYZ Corp is planning a major expansion, which could lead to promotions and new opportunities for employees. He worries that filing a complaint might jeopardize not only Mariyam's current position but also her future prospects within the company.

(a) Discuss the ethical dilemma Karan faces in deciding whether to report the incident against Mariyam's wishes.

(b) Evaluate the options available to Karan. Which of these options should he choose and why?

(c) What responsibilities do organizations like XYZ Corp have in preventing and addressing sexual harassment and creating inclusive workplace environments? (Answer in 250 words)20

उपरोक्त case study करण के सत्यनिष्ठा साहस और महिलाओं के प्रति न्याय व समानुभूति का परीक्षण करता है।

हितधारक वर्ग

- मरियम
- करण
- XYZ Corp
- राज्य (यौन शोषण का मुद्दा)
- वरिष्ठ अधिकारी व सहकर्मी

1. करण द्वारा सामना किये जानेवाले नैतिक दुविधा

1. महिला/सामाजिक न्याय v. व्यावसायिक अवसर
   - ↓ शिकायत करने से
   - ↓ कंपनी के खिलाफ से

2. सहायता बनाम क्षति
   - ↓ मरियम की, उत्पीड़न के प्रति
   - ↓ मरियम का व्यवसाय के प्रति प्रव

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. साहस बनाम भावनात्मक बुद्धिमत्ता
↓ POSH में शिकायत द्वारा
↓ नवाचारी उपायों की खोज ताकि आजीविका सुरक्षित रहे

4. अल्पकालिक लाभ vs दीर्घकालिक क्षति
↓ पदोन्नति से
↓ मामले के सामने आने पर XYZ corp का अस्तित्व

b. करण के समक्ष उपलब्ध विकल्प

1. निष्क्रियता

कोई कदम न उठाए व पदोन्नति का लाभ ले

+ve	-ve
▷ आजीविका की सुरक्षा (Art 19 (1)(g))	▷ महिला शोषण
▷ पदोन्नति व भविष्य के अवसर	▷ कार्यसंस्कृति प्रभावित
▷ परिवार के राय के अनुरूप → दैहिक स्वतंत्रता (Art 21)	▷ दीर्घकाल में XYZ corp को नुकसान

2. अतिसक्रियता

POSH में शिकायत करे तथा वरिष्ठ अधिकारी के पक्ष को सार्वजनिक करे

+ve	-ve
▷ महिला यौन उत्पीड़न की समाप्ति	▷ पदोन्नति में बाधा
▷ दोषी व्यक्ति पर उचित कार्यवाही	▷ शिकायत अधिकारी के निष्पक्षता पर प्रश्न (POSH Act की सीमा)
	▷ मरियम की सहमति नहीं

3. नवाचारी उपागम

▷ Persuation का प्रयोग
- ↳ मरियम को समझाना तथा सशक्त करना
- ↳ POSH अधिनियम की जानकारी से "ज्ञान से साहस" लाना

▷ भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रयोग
- ↳ वरिष्ठ अधिकारी से सलाह लेना

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

→ मरियम के आत्मविश्वास में वृद्धि करना

▷ साहस के मूल्य का प्रयोग

→ पहले मामले का उचित दस्तावेजीकरण करना

→ किसी कानूनी सलाहकार से यौन उत्पीड़न संबंधी मामलों पर आवश्यक जानकारी

→ आंतरिक शिकायत निवारण तंत्र का प्रयोग

→ उचित निर्णय नहीं लेने पर अपीली न्यायालय में जाना + मीडिया का प्रयोग

→ विशाखा दिशानिर्देश का प्रयोग करना

→ शेयरधारकों से संपर्क करना

प्रभावी कार्यस्थल के निर्माण में XYZ Group की जिम्मेदारी

- कार्यस्थल में सुरक्षा → यौन उत्पीड़न प्रतिषेध कानून का अनुपालन (2013)
- सहभागिता को बढ़ाना → महिला कर्मचारी
- शिकायत निवारण तंत्र में बाहरी सदस्य (स्वतंत्रता)
- कार्यसंस्कृति में शुद्धि → उचित अवसंरचना + CCTV

महिला उत्पीड़न संबंधी HR पॉलिसी

मानवता इस मुद्दे की संवेदनशीलता को प्रभावित

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

8. जय एक सिविल सेवक है जिसे एक वर्ष पूर्व राज्य के शिक्षा विभाग में आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया था। अपने शुरुआती महीनों में, उसने कई ऐसी नीतियों और कार्यक्रमों को लागू किया, जिससे शिक्षा मंत्रालय के कामकाज में सकारात्मक बदलाव आ रहे थे तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि हो रही थी, जो आगामी चुनावों में संबंधित मंत्री के लिए लाभकारी हो सकती थी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हालांकि, जय को अब एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। अपनी जिम्मेदारियों के भाग के रूप में, उसे सरकारी स्कूलों के लिए नए शिक्षकों की भर्ती को मंजूरी देनी होगी। उसे रिक्त पदों के लिए अनुशंसित 120 उम्मीदवारों की सूची प्राप्त हुई है, लेकिन उसे यह संदेह है कि भर्ती प्रक्रिया अनुचित थी। जय को कई शिकायतें भी प्राप्त हुई थीं, जिनमें दावा किया गया था कि यह भर्ती प्रक्रिया योग्यता आधारित नहीं थी।

समीक्षा करने पर, जय को ऐसे साक्ष्य प्राप्त हुए जो यह स्पष्ट करते हैं कि सूची में कई नाम राजनीतिक संरक्षण का परिणाम हैं। राजनीतिक संरक्षण राज्य में एक प्रचलित मुद्दा है, जहां राजनेता राजनीतिक समर्थन प्राप्त करने के लिए भर्ती का उपयोग करते हैं। जय का मानना है कि चुनाव नजदीक होने के कारण शिक्षा मंत्री भी इस कार्य में संलग्न है।

यह स्थिति जय को एक पुरानी घटना की याद दिलाती है जब एक जूनियर अधिकारी के रूप में, उसने एक अनावश्यक खरीद अनुरोध को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। परिणामस्वरूप, उसे एक सप्ताह के भीतर ही स्थानांतरित कर दिया गया तथा उसे और उसके परिवार को बदले की कार्रवाई के रूप में तुच्छ भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ा। उसके स्थान पर नियुक्त अधिकारी ने और भी उच्च दरों पर खरीद को मंजूरी दे दी।

जय अब इस बात को लेकर चिंतित है कि मौजूदा भर्ती को रोकने से ऐसे ही परिणाम सामने आ सकते हैं। इसके अलावा, उसे भय है कि यदि वह इस अनुचित भर्ती प्रक्रिया के खिलाफ खड़ा होता है तो शिक्षा मंत्रालय में उसके द्वारा व्यक्तिगत रूप से शुरू की गई परियोजनाओं को समाप्त किया जा सकता है।

(a) शिक्षा विभाग के आयुक्त के रूप में जय के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? इनमें से प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए।

(b) जय को कौन-सा विकल्प अपनाना चाहिए और क्यों?

(c) जय जैसे सिविल सेवकों को अपने दायित्वों के निर्वहन में नैतिक मानकों को बनाए रखने के प्रयास के दौरान बेहतर सुरक्षा कैसे प्रदान की जा सकती है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Jay, a civil servant, was appointed as the Commissioner in the state's Education Department a year ago. In his initial months, he implemented several policies and programmes that were transforming the Education Ministry's operations, gaining a good reputation that could potentially benefit the concerned minister in the upcoming elections.

However, Jay now faces a significant challenge. As part of his responsibilities, he must approve the recruitment of new teachers for government schools. He has received a list of 120 candidates recommended for vacant posts, but suspects the recruitment process was unfair. Jay had also received several complaints claiming that the process had not been meritocratic.

Upon review, Jay discovers evidence suggesting that many names on the list are the result of political patronage - a prevalent issue in the state where politicians use recruitment to gain political support. Jay believes the Education Minister is engaging in this practice as the election season approaches.

This situation reminds Jay of a past incident when, as a junior officer, he refused to entertain an unnecessary procurement request. Consequently, he was transferred within a week, and he and his family faced frivolous anti-corruption complaints as retaliation. His successor approved the procurement at even higher rates.

Jay is now concerned that blocking the current recruitment could lead to similar consequences. Moreover, he fears that the projects he personally initiated in the Education Ministry might be abandoned if he takes a stand against this unfair recruitment process.

(a) What are the options available to Jay as the Commissioner of the Education Department? Evaluate each of these options.

(b) What option should Jay adopt and why?

(c) How can civil servants like Jay be better protected when they attempt to uphold ethical standards in their work? (Answer in 250 words) 20

उपरोक्त केस स्टडी जय के सार्वजनिक सेवा प्रति समर्पण, संसाधनों के प्रति सत्यनिष्ठा व कार्यवाही के साहस को परीक्षण है।

हितधारक वर्ग

- जय (आयुक्त)
- राज्य के संसाधन
- शिक्षा विभाग
- मंत्री
- परीक्षा के उम्मीदवार

(a) जय के समक्ष उपलब्ध विकल्प

1. अहस्तक्षेप की नीति
   - कार्यवाही नहीं करना
2. सक्रिय हस्तक्षेप की नीति → त्वरित कार्यवाही
3. जाँच आधारित दृष्टिकोण → वस्तुनिष्ठता का चयन
4. अनुनयन का प्रयास → मुख्यमंत्री स्तर पर
5. अंतिम प्रयास

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(D) विकल्पों का मूल्यांकन

अहस्तक्षेप

+ve
- स्थानांतरण से सुरक्षा → कार्यनीति की सुरक्षा
- पुराना अनुभव → भ्रष्टाचार का आरोप

-ve
- सत्यनिष्ठा प्रभावित → आंतरिक ग्लानि
- संसाधनों का दुरुपयोग
- उम्मीदवार से अन्याय → योग्य उम्मीदवार

सक्रिय हस्तक्षेप की नीति

+ve
- सत्यनिष्ठा प्रमाणित
- चुनाव से पूर्व मंत्री की सच्चाई बाहर आना (आपराधिक इतिहास को जानने का अधिकार)
- उम्मीदवारों को न्याय (डिओन्टोलॉजी वाद [illegible])

-ve
- भ्रष्टाचार के आरोप का भय
- मंत्री के द्वारा शक्ति का दुरुपयोग → जीवन को संकट

[ख] DGS सर्वोत्तम है

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जाँच आधारित दृष्टिकोण

- आधिक जाँच से वस्तुनिष्ठ सबूतों को प्राप्त करना
- कानूनी सलाहकार से मामले की गंभीरता को जानना
- योग्य कर्मचारियों से वार्तालाप
  - गवाह तैयार
-

अनुनयन का प्रयास

- मुख्यमंत्री को गुप्तसूचना देने का प्रयास करना
  - राज्य की छवि तथा जनता पर प्रभाव को स्पष्ट करना
  - उचित कार्यवाही का आश्वासन लेना
  - दस्तावेज व रिपोर्ट प्रस्तुत करना

अंतिम प्रयास

- लोकपाल के समक्ष भ्रष्टाचार की शिकायत (लोकपाल व लोकायुक्त अधि. 2013)
- मीडिया का सहयोग → पारदर्शी स्पष्टीकरण
- स्वयं के आचरण में मर्यादा ताकि आरोपों से बच सके व सुरक्षित रहे
- स्थानांतरण से बचाव के लिए CAT में जाना

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

नैतिक दायित्वों के निर्वहन के दौरान सुरक्षा

1. लोकपाल व लोकायुक्त अधिनियम, 2013 का उचित पालन करना
2. SAT जैसी संस्थाओं की नियुक्ति में पारदर्शिता ताकि राजनीतिक दबाव से बचें
3. कार्यालय में निगरानी संबंधी सुविधा जैसे CCTV
4. प्रकाशवादिता (whistleblowing) का अनुपालन (2006)
   - जबरन स्थानांतरण से सुरक्षा प्रदान करना।
5. CBI का वैधानिकरण करना तथा
   - दलों की सहमति प्राप्त करना
6. आंतरिक शिकायत निवारण तंत्र की स्थापना साथ ही उनके कार्यवाही का दस्तावेजीकरण
7. अनौपचारिक संबंधों में वृद्धि ताकि कार्यसंस्कृति का विकास
8. विभागों में समानांतर उत्तरदायित्व के सिद्धांत का पालन

संगठन में विश्वास, लोकतंत्र की विश्वसनीयता की कुंजी हो सकती है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

9. X शहर के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में, आपको शहरी वन क्षेत्र में एक नए मेट्रो डिपो के निर्माण की देखरेख का दायित्व सौंपा गया है, जो सार्वजनिक परिवहन में सुधार करने और यातायात की भीड़ एवं वायु प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजना है। हालांकि, इस परियोजना के लिए वन के एक बड़े हिस्से को साफ करने की आवश्यकता है, जिसका पर्यावरण कार्यकर्ताओं, स्थानीय निवासियों और गैर-सरकारी संगठनों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया है। इस वन को प्रायः शहर के "फेफड़े" के रूप में संदर्भित किया जाता है और शहर के पारिस्थितिक संतुलन के लिए व्यापक रूप से आवश्यक माना जाता है।

पर्यावरण संबंधी चिंताओं के अलावा, दो वर्ष में होने वाले आगामी चुनावों को देखते हुए, परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए राज्य स्तर पर राजनेताओं की ओर से भी आप पर काफी दबाव है। राजनीतिक नेतृत्व शहर के विकास हेतु मेट्रो परियोजना के लाभों और चुनावी समर्थन प्राप्त करने की इसकी क्षमता पर बल दे रहा है।

इस परियोजना से हजारों यात्रियों के लिए यात्रा का समय उल्लेखनीय रूप से कम होने और शहर में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में संभावित कमी आने की उम्मीद है। हालांकि, इससे हजारों वृक्षों की क्षति भी होगी और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र बाधित होगा।

जब आप कोई निर्णय लेने की तैयारी करते हैं, तो आप जानते हैं कि आपके निर्णय के शहर के विकास और उसके पर्यावरण, दोनों पर दूरगामी परिणाम होंगे।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक दुविधाओं की पहचान कीजिए।
(b) उपर्युक्त स्थिति में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। आप इनमें से किस विकल्प को चुनेंगे और क्यों?
(c) भविष्य की परियोजनाओं में शहरी विकास संबंधी आवश्यकताओं और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए कुछ उपाय सुझाइए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As the District Magistrate of X city, you are responsible for overseeing the construction of a new metro depot in an urban forest area, which is a critical infrastructure project aimed at improving public transportation and reducing traffic congestion and air pollution. The project, however, requires the clearance of a substantial portion of the forest, which has triggered strong opposition from environmental activists, local residents, and NGOs. This forest is widely regarded as essential for the city's ecological balance, often referred to as the city's "lungs."

In addition to the environmental concerns, you are under considerable pressure from politicians at the state-level to expedite the project, given the upcoming elections in two years. The political leadership emphasizes the benefits of the metro project for the city's development and its potential to garner electoral support.

The project is expected to significantly reduce travel time for thousands of commuters and potentially decrease overall vehicle emissions in the city. However, it would also lead to the loss of thousands of trees and disrupt local ecosystems.

As you prepare to make a decision, you are aware that your choice will have far-reaching consequences for both the city's development and its environment.

(a) Identify the ethical dilemmas involved in the above case.
(b) Evaluate the options available to you in the above situation. Which of these would you choose and why?
(c) Suggest some measures that could be implemented to balance urban development needs with environmental conservation in future projects. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपरोक्त case study कुछ वर्ष पूर्व महाराष्ट्र में वन की कटाई व मेट्रो विकास से प्रभावित है

हितधारक वर्ग
- जिला मजिस्ट्रेट (मैं)
- पर्यावरण
- परिवहन साधन
- नागरिक
- NGOs
- राज्य के संसाधन

4. प्रकरण में शामिल नैतिक दुविधा

1. Green vs. Green conflict
   - Green → पर्यावरण को नुकसान (पेड़ो को काटने से)
   - Green → परिवहन उत्सर्जन से पर्यावरण को नुकसान

2. गहन पारिस्थितिकीवाद v. उथला पारिस्थितिकीय वाद
   - गहन पारिस्थितिकीवाद → निरपेक्ष रूप से पर्यावरण की रक्षा
   - उथला पारिस्थितिकीय वाद → eco - eco → पारिस्थितिकी, अर्थव्यवस्था

3. राजनीतिक दबाव v. सामुदायिक दबाव
   - राजनीतिक दबाव → चुनाव से पूर्व स्थिति
   - सामुदायिक दबाव → NGO, जैसे सिविल समुदाय द्वारा

4. उपयोगितावाद → परिवहन से उत्सर्जन कम

५. सर्वोदय → जनता + जैवविविधता

6. उपलब्ध विकल्प व मूल्यांकन

मेगा डिपो का विकास

+ve
- परिवहन की सुविधा → लॉजिस्टिक लागत में कमी (14%)
- समय की उत्पादकता बढ़ेगी
- कार्बन उत्सर्जन में कमी

-ve
- वनारोपण → Green sink प्रभावित
- स्थानीय जैवविविधता, microclimate पर प्रभाव

मेगा डिपो के विकास में अवरोध

+ve
- जैवविविधता की सुरक्षा
- NGO व नागरिक समुदाय का विरोध कम

-ve
- परंपरागत परिवहन से देरी → उत्पादकता में कमी + थकान
- कार्बन उत्सर्जन

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

→ लंबे ट्रैफिक जाम की समस्या (eg) बैंगलोर

मिश्रित दृष्टिकोण का चयन

1. प्राथमिक उद्देश्य → पर्यावरणीय क्षति को बचाना

A. CAMPA फंड की सहायता से 1.5 गुना वन व वृक्ष लगाना।

B. स्थानीय जानवरों व जैवविविधता को समरूप माहौल देने का प्रयास → विकल्पों की तलाश

(eg) गिर वन से मध्यप्रदेश में सिंह का स्थानांतरण

C. मेट्रो अवसंरचना को "हरित अवसंरचना" के अनुरूप

(eg) स्पांज सिटी + Oxyzone का निर्माण

2. भावनात्मक बुद्धिमता का प्रयोग

→ A. NGO, व नागरिक समुदाय को "लागत - लाभ" सिद्धांत समझाना

→ B. कार्य में थोड़े विलंब ही सही किंतु सहमति आधारित दृष्टिकोण का पालन

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

3. Nudge सिद्धांत का पालन

→ माहौल ऐसा बनाना जिससे सहमति बने

→ पारिस्थितिकी अवसंरचना के प्रति P4 सिद्धांत का पालन

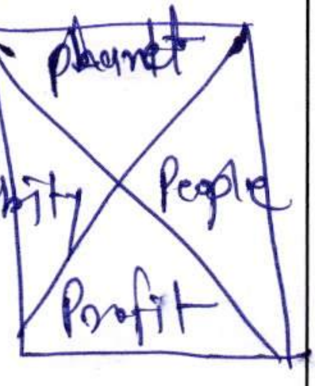

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

विकास व पर्यावरण में संतुलन स्थापित करने के उपाय

A. Eco-Eco दृष्टिकोण का पालन (Ecology, Economy)

B. चीन के स्पंज शहरों से प्रेरणा लेना तथा रायपुर में स्थापित Oxyzone से प्रेरणा

C. अनुपूरक अभियानों का आवधिक निरीक्षण करना

D. Polluter Pays Principle के अनुरूप (AAC मेघालय)

E. उपयुक्त EIA के माध्यम से

यही सब की पालना की संधारणीय विकास व LiFE अभियान सफल हो सकता है

10. डॉ. मेहरा भारत की एक अग्रणी फार्मास्युटिकल कंपनी में वरिष्ठ ड्रग डेवलपर हैं, जो चिरकालिक और दुर्लभ रोगों के उपचार हेतु महत्वपूर्ण जीवन रक्षक दवाओं सहित विभिन्न दवाओं का उत्पादन करने के लिए प्रसिद्ध हैं। अपनी स्थापना के बाद से ही, कंपनी ने अपनी दवाओं की गुणवत्ता और वहनीयता पर बल दिया है।

हाल ही में, संशोधित सरकारी दिशा-निर्देशों के तहत, फार्मास्युटिकल कंपनियों के लिए सामग्रियों (Ingredients) पर परीक्षण से "संतोषजनक परिणाम" प्राप्त करने के बाद ही तैयार उत्पाद का विपणन करने का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्हें दवाओं के किसी बैच के बार-बार परीक्षण या सत्यापन के लिए मध्यवर्ती और अंतिम उत्पादों, दोनों के पर्याप्त मात्रा में नमूने रखने होंगे।

डॉ. मेहरा की टीम एक दुर्लभ लेकिन जानलेवा रोग के लिए एक नई दवा विकसित करने के अंतिम चरण में है। नैदानिक परीक्षणों में इस दवा के आशाजनक परिणाम प्राप्त हुए हैं। हालांकि, दवा के दीर्घकालिक दुष्प्रभावों के बारे में अनसुलझी चिंताएं विद्यमान हैं, जो परीक्षण में शामिल विषयों में अत्यधिक कम प्रतिशत के रूप में देखी गई हैं। इसके बावजूद, कंपनी ने पिछले एक दशक में कोई भी महत्वपूर्ण दवा जारी नहीं की है, जिससे बोर्ड के सदस्यों की ओर से दवा की रिलीज़ में तेज़ी लाने के लिए काफी दबाव है।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिए।
(b) डॉ. मेहरा द्वारा सामना किए जाने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
(c) उपर्युक्त प्रकरण में डॉ. मेहरा के पास उपलब्ध विकल्पों का विश्लेषण कीजिए। आप इनमें से किसे चुनेंगे और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Dr. Mehra is a senior drug developer at a leading pharmaceutical company in India, renowned for producing various medications, including lifesaving drugs critical for treating chronic and rare diseases. Since its inception, the company has emphasized the quality and affordability of its drugs.

Recently, under revised government guidelines, pharmaceutical companies are required to market a finished product only after obtaining "satisfactory results" from tests on the ingredients. Additionally, they must retain a sufficient quantity of samples of both intermediate and final products to allow repeated testing or verification of a batch.

Dr. Mehra's team is in the final stages of developing a new medication for a rare but life-threatening disease. This drug has shown promising results in clinical trials. However, there have been unresolved concerns about the long-term side effects of the drug, observed in a small percentage of trial subjects. Despite this, the company has not released any major drug in the past decade, leading to significant pressure from the board members to expedite the drug's release.

(a) Identify the stakeholders in the above case study.
(b) Discuss the ethical issues faced by Dr. Mehra.
(c) Analyse the options available to Dr. Mehra in the above case. Which of these would you choose and why? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हाल ही में भारतीय कंपनी के उत्पादों का उपभोग करने पर ~~क~~ गोम्बिया और ~~कजाखस्तान~~ उज़्बेकिस्तान में बच्चों की मौत की खबरें सामने आयीं।

(a) हितधारक वर्गों की पहचान

1. ~~श्री~~ मेडन व कंपनी

A. कंपनी की उत्पादकता ~~व~~ लाभ से ~~कर्मचारी~~ अस्तित्व

B. सामाजिक दायित्व से पृथक → अनैतिक उत्पाद का प्रयोग + सही परीक्षण

C. दीर्घकालिक छवि के प्रति सजगता

"चरित्र हजारों बार में बनाया जाता है गंवाया एक बार में जाता है)"

2. नागरिक समाज

A. अनैतिक दवा प्राप्त करना → स्वास्थ्य संबंधी चिंता

B. FIDH व Evidence मामलों पर अति छोटी सूक्ष्म जीवों के प्रयोग का आरोप

3. शल्य के प्रति
A. वैधानिक ढांचा सुनिश्चित करना
B. उचित विनियामकीय कार्यवाही
[ध] पतंजली मामले में SC द्वारा सरकार की आलोचना।

6. मेहरा के समक्ष नैतिक मुद्दे

1. व्यावसायिक हित बनाम सामाजिक दायित्व
   - व्यवसायिक हित ↓ त्वरित उत्पादन के माध्यम से
   - सामाजिक दायित्व ↓ उचित स्वास्थ्य गुणवत्ता

2. कंपनी की छवि ↓ खामी पाए जाने पर विश्वसनीयता प्रभावित

4. कंपनी का अस्तित्व ↓ लाभ नहीं होने पर संचालन में रुकावट

3. कर्मचारियों के प्रति दायित्व ↓ कंपनी को हानि से Layoff, आजीविका की सुरक्षा प्रभावित (Art 19(1)(g))

4. व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा ↓ खराब उत्पाद जारी करने से ग्लानी का भाव

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. लाभ आधारित दृष्टिकोण
↓
सीमित दृष्टिकोण

6. कल्याण आधारित
↓
व्यापक
↓
ग्राहकों के जीवन की सुरक्षा

उपलब्ध विकल्प व परीक्षण

दवा जारी करना

+ve
- दुर्लभ रोग का निदान
- eg कोविड वैक्सीन covaxin covishield
- कंपनी का लाभ

-ve
- दीर्घकाल में विश्वसनीयता प्रभावित होने का भय
- वैधानिक कार्यवाही से अस्तित्व को संकट
- उपभोक्ता के जीवन का दायित्व

दवा जारी नहीं करना

+ve
- उपभोक्ता के जीवन की रक्षा (Art 21)
- विश्वसनीयता बरकरार

-ve
- दुर्लभ रोग के निदान में देरी
↓
जीवन का अधिकार प्रभावित

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

नवाचार व सहयोगात्मक दृष्टिकोण

1. नवाचार

A. कंपनी के परीक्षण संबंधी जानकारी को पारदर्शी करना → सार्वजनिक पटल पर

B- दवाई के प्रयोग को ड्रायल संबंधी मंजूरी लेना

C. ड्रायल के लिए इसी रोग से पीड़ित व्यक्ति का सहमति (consent) लेना

D निदान का डेटा तथा गलत प्रभाव पर वित्तीय व बीमा दायित्व

2. सहयोगात्मक दृष्टि

A. अंतर्राष्ट्रीय फार्मा कंपनी से सहायता
→ बाहित परीक्षण + प्रमाणीकरण

B. DG of Drug और Cosmetics से सहयोग प्राप्त करना

" अच्छा व्यावसाय वही है, जो पैसे के साथ साथ संबंध बनाता है " - हेनरी फोर्ड

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

11\. आपको राज्य शहरी विकास विभाग में अंडर सेक्रेट्री के पद पर नियुक्त किया गया है। विभाग को एक प्रतिष्ठित परियोजना का कार्य सौंपा गया है जिसका उद्देश्य शहरों की अत्यधिक ऐतिहासिक महत्त्व वाली अवसंरचना को पुनर्जीवित करना है। इस परियोजना के बारे में आप बेहद उत्साहित हैं, जिसमें सार्वजनिक परिवहन का आधुनिकीकरण करना, विरासत भवनों का जीर्णोद्धार करना और शहर के सांस्कृतिक पहलू को संरक्षित करते हुए हरित स्थान का सृजन करना शामिल है।

इस अवसर से उत्साहित होकर, आपने कई सप्ताह तक शोध करके एक व्यापक प्रस्ताव तैयार किया। आपकी योजना में संधारणीय विकास, सामुदायिक जुड़ाव और शहरी नियोजन के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए अभिनव विचार शामिल थे। आपने अपने सहयोगियों को प्रेरित करने और परियोजना को गति देने की आशा से विभागीय बैठक में ये प्रारंभिक योजनाएं प्रस्तुत कीं।

हालांकि, आपके उत्साह को उदासीनता का सामना करना पड़ा। आपके सहयोगियों ने बहुत कम रुचि दिखाई तथा वे परियोजना के लिए विचारों या प्रयासों का योगदान करने में विफल रहे। चिंतित होकर, आपने अपने वरिष्ठ को उत्साह की कमी की सूचना दी, जो इस परियोजना के प्राधिकारी भी हैं। आपकी निराशा के लिए, वे भी उतना ही उदासीन लग रहे थे, उन्होंने सहजता से उल्लेख किया कि वे छह महीने में सेवानिवृत्त होने वाले हैं और इस परियोजना की अवधि अधिक लंबी है।

परियोजना को सफल होते देखने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर, आपने इसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। पिछले दो महीनों से, आप अपने परिवार के साथ समय व्यतीत करने के अवसरों का त्याग करते हुए, दिन में 12 घंटे से अधिक, अक्सर देर रात तक काम कर रहे हैं। आपका समर्पण इस परियोजना की शहर के निवासियों के जीवन को बदलने और भावी पीढ़ियों के लिए शहर की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने की क्षमता में आपके विश्वास से प्रेरित है।

परियोजना के दो महीने बाद मुख्य सचिव द्वारा समीक्षा बैठक बुलाई जाती है। बैठक के दौरान, विभिन्न क्षेत्रकों के विभाग प्रमुख वर्तमान में जारी और आगामी परियोजनाओं पर चर्चा करने के लिए उपस्थित होते हैं। जब शहरी पुनरुद्धार परियोजना प्रस्तुत करने का समय आता है, तो आपका बॉस अथवा वरिष्ठ खड़ा हो जाता है। आपको आश्चर्य होता है कि वह आपके ड्राफ्ट प्रस्ताव को अपने काम के रूप में प्रस्तुत करता है और नवीन विचारों एवं व्यापक योजना का सारा श्रेय ले लेता है।

जब आप वहां बैठे हुए अपने वरिष्ठ को आपकी कड़ी मेहनत को अपना बताते हुए सुनते हैं, तो आप क्रोध, निराशा और मनोबल की कमी को संयुक्त रूप से महसूस करते हैं। यह घटना न केवल आपके प्रयासों को कमजोर करती है बल्कि आपको ऐसी कार्य संस्कृति में अपने समर्पण के मूल्य पर भी प्रश्न उठाने के लिए विवश करती है जो सहयोग का समर्थन नहीं करती है या व्यक्तिगत योगदान को मान्यता नहीं देती है।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) उपर्युक्त कार्य संस्कृति कार्यस्थल पर मनोबल और उत्पादकता को किस प्रकार प्रभावित करती है?

(c) आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं और आप इस स्थिति का समाधान किस प्रकार करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have been appointed as the Under Secretary in the State Urban Development Department. The Department has been tasked with a prestigious project aimed at revitalizing the infrastructure of a city with deep historical significance. This project, which you are extremely passionate about, involves modernizing public transportation, restoring heritage buildings, and creating green spaces while preserving the city's cultural essence.

Excited by the opportunity, you spent weeks researching and drafting a comprehensive proposal. Your plan included innovative ideas for sustainable development, community engagement, and leveraging technology for urban planning. You presented these initial plans in a departmental meeting, hoping to inspire your colleagues and kickstart the project.

However, your enthusiasm was met with indifference. Your colleagues showed little interest, failing to contribute ideas or efforts towards the project. Concerned, you reported this lack of enthusiasm to your immediate superior, who is also the authority for this project. To your dismay,

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

he seemed equally indifferent, casually mentioning that he is set to retire in six months and that the project has a long gestation period.

Determined to see the project succeed, you took it upon yourself to drive it forward. For the past two months, you have been working more than 12 hours a day, often late into the night, sacrificing time with your family. Your dedication is driven by your belief in the project's potential to transform the lives of the city's residents and preserve its rich heritage for future generations.

Two months into the project, a review meeting is called by the Chief Secretary. During the meeting, Department heads from various sectors are present to discuss ongoing and upcoming projects. When it is time to present the urban revitalization project, your boss stands up. To your shock, he presents your draft proposal as his own work, taking all the credit for the innovative ideas and comprehensive planning.

As you sit there, listening to your superior claim your hard work as his own, you feel a mix of anger, disappointment, and demoralization. This incident not only undermines your efforts but also leaves you questioning the value of your dedication in a work culture that does not seem to support collaboration or recognize individual contributions.

(a) Discuss the ethical issues involved in this case.
(b) How does the above-mentioned work culture affect workplace morale and productivity?
(c) What are the options available to you and how would you address the situation? (Answer in 250 words) 20

उपरोक्त casestudy मेरे भावनात्मक बुद्धिमत्ता, नवाचार व कार्यसंस्कृति में मेरी भूमिका का परीक्षण करता है।

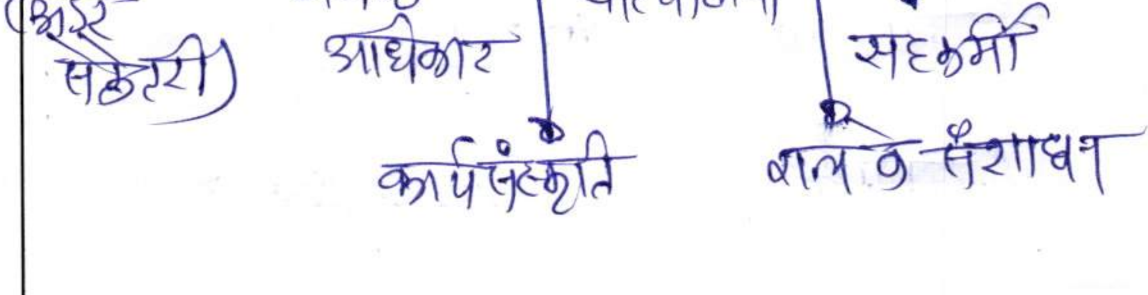

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

९. शामिल नैतिक मुद्दे

1. सहयोग आधारित vs अर्पण आधारित
   - दृष्टिकोण → सहकर्मियों के साथ परियोजना पर सहमति
   - दृष्टिकोण → परियोजना के प्रति लगन से काम करना

2. व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा vs सामाजिक सलाह
   - → परियोजना के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति
   - → परियोजना के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण व उदासीन

3. chain of command का मुद्दा
   - आधिकारी की सहमति आवश्यक
   - श्रेय को चुरा लेना

4. साहस बनाम नियमबद्धता
   - साहस → वरिष्ठ अधिकारी की शिकायत
   - नियमबद्धता → वरिष्ठ अधिकारी को श्रेय देने देना

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अपयुक्त कार्यस्थल से मनोबल व उत्पादकता पर प्रभाव

1. नकारात्मक दृष्टिकोण का विकास होना
   - परियोजना व दायित्वों के प्रति उत्साह का ह्रास होना

2. सहकर्मियों से संबंध में तनाव आना
   - teamspirit की हानि
   - chain of command के प्रति अविश्वास
   - नकारात्मकता को बढ़ावा

3. उत्पादकता हतोत्साहित होता है
   - Delivery Deficit
   - जनता के प्रति समर्पण का ह्रास
   - सांगठनिक नैतिकता का ह्रास
   - कार्यस्थल में मन नहीं लगना
     "Alienation"

विकल्प व समाधान

- शोषण को सहते जाना
- शोषण के प्रति आवाज
- सहकर्मी से अलगाव
- परियोजना से स्वयं को अलग रखना
- भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रयोग

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

चयन : भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रयोग

1. श्रेय प्राप्त करने आधारित दृष्टिकोण त्यागना
   - अनामिता में आनंद की प्राप्ति करना
2. वरीष्ठ अधिकारी के मनोभाव की समझ
   - अंतिम क्षणों में श्रेय की प्राप्ति की आकांक्षा
3. सहकर्मियों से अनौपचारिक संबंध बनाना
   - परियोजना के प्रति उदासीनता के कारण को जानना
   - उचित कारण होने पर परियोजना प्रारूप में सुधार
4. प्र → प्रबंधन
   सा → ज्ञान
   → मनोदशा का
   - "व्यक्ति जो स्वयं पर शासन कर सकता है दूसरों पर शासन कर सकता है।"

12. अरुण अपनी सत्यनिष्ठा और समर्पण के लिए प्रसिद्ध है। हाल ही में, उसने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में अधीक्षक की भूमिका संभाली है। यह पोस्टिंग, केवल एक वर्ष में उसकी चौथी पोस्टिंग है, जिसमें पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) की देखरेख की जिम्मेदारी शामिल है। अपने नए पद पर अरुण को एक महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि, जो इस क्षेत्र के लिए प्राथमिक जल स्रोत के रूप में कार्य करती है, के निकट स्थित एक तांबा प्रगलन संयंत्र के बारे में पता चलता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उस संयंत्र के भारी प्रदूषण कर्ता के रूप में कुख्यात होने के बावजूद, अध्यक्ष द्वारा अरुण को प्रस्तुत किया गया वर्तमान EIA, आर्द्रभूमि पर इससे किसी गंभीर प्रभाव को नहीं दर्शाता है। अगले दो वर्षों के लिए कोई अन्य आकलन निर्धारित नहीं किया गया है।

एक दिन, अरुण को विपक्षी दल से जुड़े एक राजनेता से एक पत्र प्राप्त होता है। इस पत्र में ऐसे साक्ष्य हैं जो बताते हैं कि वर्तमान EIA परिणाम फ़र्जी प्रयोगशाला रिपोर्टों पर आधारित हैं, जिन्हें कथित तौर पर अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित किया गया है। अध्यक्ष के सत्तारूढ़ दल के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, जिसे संयंत्र के संचालकों से पर्याप्त दान प्राप्त होता रहा है।

विपक्षी राजनेता ने अरुण से विभाग के अंदर से ही अध्यक्ष को बेनकाब करने का आग्रह किया और यह तर्क दिया कि यह दृष्टिकोण प्रभावी रूप से सरकार पर एक नया EIA आयोजित करने के लिए दबाव डाल सकता है। वह अरुण से वादा करता है कि उनके दल के सत्ता में आने, जिसकी हालिया जनमत सर्वेक्षणों में संभावना व्यक्त की गई है, पर उसे महत्वपूर्ण पुरस्कार और समर्थन मिलेगा।

यद्यपि प्रस्तुत किए गए साक्ष्य प्रभावशाली हैं, लेकिन अरुण राजनीतिक मोहरे के रूप में शोषण किए जाने की संभावना के बारे में भी सतर्क है। वह अपने कार्यों के संभावित परिणामों, उसके करियर और पर्यावरण दोनों के लिए, के बारे में पूरी तरह से अवगत है।

(a) उपर्युक्त प्रकरण के आलोक में, कॉर्पोरेट, राजनीतिक और नौकरशाही के हितों के बीच गठजोड़ से उत्पन्न होने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) एक कर्तव्यनिष्ठ सिविल सेवक के रूप में, अरुण के पास उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Arun, renowned for his integrity and dedication, has recently assumed the role of Superintendent at a state Pollution Control Board. This posting, his fourth in just one year, includes the responsibility of overseeing Environmental Impact Assessments (EIAs). In his new position, Arun becomes aware of a copper smelting plant situated near a crucial wetland that serves as the primary water source for the region.

Despite the plant's notorious reputation for heavy pollution, the current EIA, presented to Arun by the Chairperson, indicates no significant impact on the wetland. The next assessment is not scheduled for another two years.

One day, Arun receives a letter from a politician affiliated with the opposition party. The letter contains evidence suggesting that the current EIA results are based on falsified lab reports, allegedly approved by the Chairperson. The Chairperson is known to have close ties with the ruling party, which has been receiving substantial donations from the plant's operators.

The opposition politician urges Arun to expose the Chairperson from within the department, arguing that this approach could effectively pressurize the government to conduct a new EIA. He promises Arun significant rewards and support once their party comes to power, an outcome suggested by recent opinion polls.

While the evidence presented is compelling, Arun remains cautious about the possibility of being exploited as a political pawn. He is acutely aware of the potential consequences of his actions, both for his career and for the environment.

(a) In light of the above case, discuss the ethical issues that may arise from the nexus between corporate, political, and bureaucratic interests.

(b) As a conscientious civil servant, evaluate the options available to Arun. Which option should he choose and why?(Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपरोक्त case study में अरुण के सत्यनिष्ठा, विवेक, राजनीतिक प्रलोभन में फंसे होने व सेवा के प्रति समर्पण का परीक्षण है।

हितधारक वर्ग

- अरुण
- पर्यावरण
- निजी उद्योग
- विपक्षी दल
- राज्य व संगठन
- समाज

कॉरपोरेट, राजनीतिक और नौकरशाही गठजोड़ से नैतिक मुद्दा

1. क्रोनी कैपिटलिज्म की स्थापना →

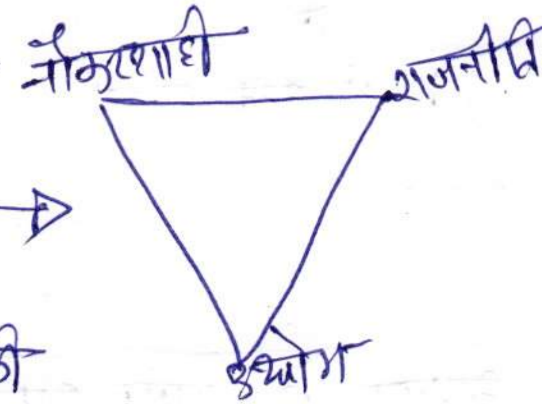

2. प्राथमिक नागरिक की वरीयता ↳ उद्योगों व उद्योगपतियों को

प्राथमिक नागरिक के रूप में व सामान्य जनता को दोयम दर्जा (दोहरी नागरिकता)

~~क्या पर्या०~~

3० पर्यावरण के हानि का प्रश्न

Ego आधारित दृष्टिकोण (Homo mensura)

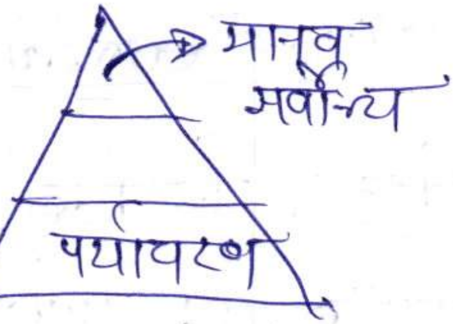

4० Quid pro quo] → राजनीति व उद्योग के साठगांठ से से राज्य के संसाधनों का दुरूपयोग (इलेक्टोरल बांड के मामले में SC ने रेखांकित किया)

5० राजनीति प्रलोभन → विपक्षी दल द्वारा

4० वास्तविक न्याय → विपक्षी दलों के दावे के अनुरूप कार्य वाही

अरुण के पास उपलब्ध विकल्प व मूल्यांकन

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सक्रियता की नीति

+ve

- उद्योग की रक्षा
- EIA प्रमाणपत्र जारी हो चुका है
- राजनीतिक प्रलोभन से सुरक्षा
- विकास अबाधित

-ve

- पर्यावरण की हानि
- कोनी कैप्रिलेस्य की स्थापना
- देहरादून घाटीवाद के निर्णय के विपरीत स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार (Art 21)

आत्मसंयता की नीति

+ve

- पर्यावरण की सुरक्षा
- आपदा से रक्षा
- स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार (गंगाप्रदूषण MC मेहता वाद)
- सरकार बदलने पर लाभ

-ve

- विकास कार्य बाधित
- EIA की अवहेलना
- राजनीतिक दबाव
- कार्यवाही के बाद ~~सनीति~~ राजनीतिक प्रलोभन का आरोप "हितों की टकराहट"

आदर्शतम दृष्टिकोण

1. राजनीतिक दलों के दस्तावेज का प्रमाणीकरण करना
   - क्या उद्योग पर आरोप सत्य है
   - क्या प्रमाणन अध्यक्ष भी NGO का हिस्सा है
2. साथ ही अतिरिक्त दस्तावेजों का प्रयोग
3. प्रमाणित होने पर इसकी सूचना मंत्रीस्तर या मुख्यमंत्री तक पहुँचाना → chain of command को follow करना
4. यदि उचित कार्यवाही नहीं
   - नागरिक समाज का साथ लेना → हितधारक व विस्थापित वर्ग
   - मीडिया को गुप्त सूचना
   - HC में शिकायत करना
     - उद्योग के विरुद्ध
     - प्रमाणन एजेंसी के विरुद्ध

इस प्रकार पर्यावरण व जीवन के साथ विकास का संतुलन आवश्यक है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

AL